जलाते चलो

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» कवि परिचय -- द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी और आशा की कविता

» स्नेह के दीये बनाम बिजली के दीये -- असली उजाला क्या है

» पहला दीया जलाने का साहस -- चुनौती स्वीकारना

» दिये और तूफ़ान की निरंतर कहानी -- कभी हार न मानने की आशा

» कविता की रचना -- लय और शब्दों के विलोम रूप

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. इस कविता में मुख्य रूप से क्या बात कही गई है? (पाठ्यपुस्तक का प्रश्न)

› कविता 'दीये' और 'तिमिर' (अंधकार) के प्रतीक का उपयोग करती है
› पाठ्यपुस्तक में दिए विकल्पों में से यह सिर्फ़ बल्ब जलाने या दीपावली के बारे में नहीं है
› मुख्य भाव है भलाई के कार्य करते रहना, चाहे परिस्थिति कैसी भी हो

उत्तर – इस कविता में मुख्य रूप से यह कहा गया है कि हमें भलाई के कार्य करते रहना चाहिए, चाहे कितनी भी मुश्किलें (अंधकार) क्यों न आएँ।

उदाहरण 2. 'बिना स्नेह विद्युत-दिये जल रहे जो, बुझाओ इन्हें' पंक्ति का भावार्थ क्या है?

› यहाँ 'विद्युत-दिये' का मतलब है बिजली से जलने वाले बल्ब/दीपक
› कवि कहते हैं ऐसा उजाला जिसमें स्नेह (प्रेम) न हो, वह असली रास्ता नहीं दिखा सकता
› इसलिए कवि उसे 'बुझाने' को कहते हैं, यानी उसकी कोई असली उपयोगिता नहीं

उत्तर – इस पंक्ति का भावार्थ है कि सिर्फ़ तकनीकी/भौतिक उजाला (बिजली की रोशनी) काफ़ी नहीं है -- अगर उसमें स्नेह और प्रेम की भावना न हो, तो वह जीवन का सही रास्ता नहीं दिखा सकता।

उदाहरण 3. 'जला दीप पहला तुम्हीं ने तिमिर की, चुनौती प्रथम बार स्वीकार की थी' यह पंक्ति किसे कही गई है?

› पाठ्यपुस्तक में दिए गए विकल्पों में से यह तूफ़ान, दीपकों या तिमिर को नहीं कहा जा सकता
› यह पंक्ति मनुष्यों की उपलब्धि और साहस की बात करती है
› इसलिए यह पंक्ति मनुष्यों को कही गई है

उत्तर – यह पंक्ति मनुष्यों से कही गई है, जिन्होंने सबसे पहले अंधकार की चुनौती स्वीकार करके पहला दीया जलाया।

उदाहरण 4. 'रहेगा धरा पर दिया एक भी यदि, कभी तो निशा को सवेरा मिलेगा' पंक्ति का भावार्थ लिखें।

› 'दिया' यहाँ अच्छाई/आशा का प्रतीक है, 'निशा' (रात) अंधकार/मुश्किलों का प्रतीक है
› कवि कहते हैं अगर धरती पर सिर्फ़ एक भी अच्छाई/आशा (दीया) बची रहे
› तो एक दिन ज़रूर मुश्किलों का अंधकार मिटकर सवेरा (अच्छे दिन) आएगा

उत्तर – इस पंक्ति का भावार्थ है कि चाहे कितनी भी मुश्किलें हों, अगर धरती पर सिर्फ़ एक भी अच्छाई/आशा बनी रहे, तो एक दिन ज़रूर बेहतर समय (सवेरा) आएगा।

उदाहरण 5. 'अमावस' शब्द का विलोम (उल्टा अर्थ रखने वाला) शब्द क्या है, और दोनों का क्या अर्थ है?

› 'अमावस' का अर्थ है वह रात जिसमें चाँद बिल्कुल नहीं दिखता

› इसका विलोम शब्द है 'पूर्णिमा'

› 'पूर्णिमा' का अर्थ है वह रात जिसमें चाँद पूरा (पूर्ण रूप से) दिखता है

उत्तर – 'अमावस' का विलोम 'पूर्णिमा' है -- अमावस का अर्थ है बिना चाँद वाली रात, और पूर्णिमा का अर्थ है पूरे चाँद वाली रात।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• कवि परिचय में जन्म-मृत्यु वर्ष (1916-1998) और उनकी अन्य प्रसिद्ध रचना का नाम याद रखें, यह अक्सर पूछा जाता है।

• 'अमावस' (चाँद न दिखे) और 'पूर्णिमा' (पूरा चाँद) जैसे शब्दों के अर्थ ज़रूर याद रखें -- शब्दार्थ के प्रश्न में सीधे पूछे जाते हैं।

• यह पंक्ति 'किससे कही गई है' जैसे प्रश्न में विकल्पों को ध्यान से पढ़ें -- सही उत्तर 'मनुष्यों से' है, न कि दीपक/तूफ़ान/तिमिर से।

• इस कविता का केंद्रीय भाव (आशा न छोड़ना) लगभग हर बड़े प्रश्न में दोहराया जाना चाहिए, चाहे प्रश्न किसी भी पंक्ति के बारे में हो।

• विलोम शब्द के प्रश्न में हमेशा दोनों शब्दों (जैसे अमावस-पूर्णिमा) के अर्थ भी साथ में लिखें, सिर्फ़ शब्द बताने से पूरे अंक नहीं मिलते।

एक नज़र में रिवीज़न

› द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी (1916-1998) - बाल साहित्यकार; कविता का भाव - आशा और भलाई करते रहना।

› बिना स्नेह के बिजली का उजाला बेकार है; असली रास्ता स्नेह/प्रेम के दीये से मिलता है।

› मनुष्यों ने पहली बार अंधकार की चुनौती स्वीकार करके दीया जलाया -- यह साहस का प्रतीक है।

› दीया-तूफ़ान की लड़ाई हमेशा चलती रहेगी, पर एक भी दीया बचा रहे तो सवेरा ज़रूर आएगा।

› कविता की हर पंक्ति बराबर समय में बोली जाती है (लय); अमावस-पूर्णिमा विलोम शब्द-जोड़ी।